न्यूज डायरी

दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति भारतीय, सभी वैश्विक मुद्दों में भारत का अहम रोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में जर्मन राजदूत वाल्टर जे. लिंडर ने कहा कि दुनिया में किसी भी मुद्दे पर समाधान के लिए भारत का अहम रोल है। उन्होंने कहा कि विश्व का हर पांचवा व्यक्ति भारतीय है। ऐसे में वैश्विक पहलुओं पर जो कुछ भी करना है उसके लिए भारत की आवश्यकता है। चाहे वह आतंकवाद हो, ग्लोबल वार्मिंग हो, जनसंख्या का मुद्दा हो या जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई हो। भारत के बिना कोई समाधान नहीं निकल सकता है। उन्होंने जर्मनी में अगली सरकार के गठन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि क्रिसमस तक बर्लिन में अगली सरकार बन जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टियों के बीच बातचीत चल रही है और मुझे लगता है क्रिसमस तक जर्मनी में अगली सरकार बन जाएगी। जर्मनी में हुए आम चुनावों में वामपंथी विचारों वाली सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसडीपी) सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनकर उभरी है।

हूती विद्रोहियों को झटका, सऊदी गठबंधन सेना के हमलों में 43 लड़ाकों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मारिब (यमन)। यमन के प्रमुख शहर मारिब पर कब्जे के लिए आगे बढ़ रहे हूती विद्रोहियों और अरब नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच भीषण लड़ाई में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। सैन्य सूत्रों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। एक सूत्र ने बताया कि बीते 48 घंटों में 43 हूती लड़ाके मारे जा चुके हैं। इनमें ज्यादातर गठबंधन के हवाई हमलों में मारे गए हैं। वहीं एक दूसरे सूत्र ने बताया कि कम से कम सात सैनिकों की भी मौत हुई है। इस महीने मारिब में संघर्ष के दौरान करीब 400 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। मारिब के पश्चिम में सुरक्षा को भेदने में नाकाम रहने के बाद हूतियों ने शबवा और अल–बायदा के साथ प्रांत की दक्षिणी सीमाओं में नए मोर्चे खोल दिए। विद्रोहियों ने अल–अबेदिया, बेहान और ओसेलन में सैनिकों पर हमला कर दिया। हमलों के बाद सेना ने इन इलाकों में नए सैनिक और सैन्य उपकरण भेजे। स्थानीय जनजातियों ने भी हूतियों के खिलाफ हथियार उठा लिए हैं।

इस्लामाबाद–काबुल के लिए जल्द शुरू होगी उड़ान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान से अब पाकिस्तान के लिए उड़ाने संचालित की जा सकेंगी। पाकिस्तान नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान ने एक अफगान एयरलाइन को इस्लामाबाद से काबुल के लिए अपनी उड़ानें संचालित करने की अनुमति दे दी है। इस बीच तालिबान ने रविवार को कहा कि काबुल में हवाईअड्डा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पूरी तरह से तैयार है। सीएए ने अफगानिस्तान की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन काम एयर को उड़ानें संचालित करने की मंजूरी दी है। तालिबान के अधिग्रहण के बाद अफगानिस्तान के बाहर संचालित होने वाली यह पहली अफगान एयरलाइन होगी। अनादोलु एजेंसी ने सीएए एयर ट्रांसपोर्ट के निदेशक इरफान साबिर के हवाले से बताया कि काम एयर सप्ताह में तीन उड़ानें संचालित करेगी।

अमेरिका में सिख नौसैनिक को ड्यूटी के दौरान पगड़ी पहनने की अनुमति मिली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका के एक 26 वर्षीय सिख–अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी को कुछ सीमाओं के साथ पगड़ी पहनने की इजाजत दी गई है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। वह इस प्रतिष्ठित बल के 246 साल के इतिहास में ऐसा करने की अनुमति पाने वाला वह पहला व्यक्ति है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कहा गया है, लगभग पांच साल से हर सुबह लेफ्टिनेंट सुखबीर तूर अमेरिकी नौसैनिक कोर की वर्दी धारण करते आए हैं और बृहस्पतिवार को, सिर पर सिख पगड़ी पहनने की उनकी तमन्ना भी पूरी हो गई। खबर में कहा गया है कि मरीन कोर के 246 साल के इतिहास में तूर पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें पगड़ी पहनने की अनुमति मिली है। तूर ने एक साक्षात्कार में कहा, आखिरकार मुझे मेरे विश्वास और देश में से किसी एक को चुनने की नौबत नहीं आई। मैं जैसा हूं, वैसा ही रहते हुए दोनों का सम्मान करता हूं।

कोरोना उत्पत्ति की दोबारा जांच शुरू करेगा डब्ल्यूएचओ

जांच

20 विज्ञानियों की बनाई गई है नई टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) एक नई टीम को साथ कोरोना की उत्पत्ति की दोबारा जांच शुरू करने जा रहा है। इसके लिए 20 विज्ञानियों की नई टीम बनाई गई है, जो चीन और अन्य जगहों की जांच करेगी। इस नए जांच दल के जरिए डब्ल्यूएचओ कोविड–19 की उत्पत्ति की जांच फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। इस टीम में प्रयोगशाला सुरक्षा, जैव सुरक्षा के विशेषज्ञ, आनुवंशिकीविद् और पशु–रोग विशेषज्ञ शामिल हैं, जो इस बात से वाकिफ हैं कि वायरस प्रकृति से कैसे फैलते हैं।

वाल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि ये दल चीन और अन्य जगहों पर नए सबूतों की तलाश करेंगे। इससे पहले डब्ल्यूएचओ–चीन की एक संयुक्त जांच टीम ने इस साल मार्च में इन संभावना को खारिज कर दिया था कि वायरस किसी प्रयोगशाला से बाहर आया था।

जुलाई में महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने इस रिपोर्ट को कमतर आंकते हुए वुहान में अध्ययन के दूसरे चरण का प्रस्ताव रखा था, जिसमें वुहान शहर में प्रयोगशालाओं और बाजारों का आडिट भी शामिल है।

घेब्रेयसस के अनुसार, महामारी के स्रोत की जांच करने के लिए चीन जाने वाली अंतरराष्ट्रीय टीम के लिए पुख्ता सबूत तक पहुंच प्राप्त करना एक चुनौती था। वैश्विक स्वास्थ्य निकाय के वैज्ञानिकों के अनुसार, यह निर्धारित करने के लिए धीरे–धीरे समय समाप्त हो रहा है कि महामारी कैसे शुरू हुई। उन्होंने कहा कि रक्त के नमूने फेंके जा रहे हैं और कोविड –19 के शुरुआती पीड़ितों में एंटीबाडी का स्तर खत्म होता जा रहा है। हालांकि, चीन ने डब्ल्यूएचओ पर अहंकार और सामान्य ज्ञान की कमी का आरोप लगाते हुए जांच को खारिज कर दिया है। चीनी वैज्ञानिकों ने डब्ल्यूएचओ को मैरीलैंड के फोर्ट डेट्रिक में यूएस आर्मी मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ इंफेक्शियस डिजीज सहित अन्य देशों में कोविड –19 की उत्पत्ति की जांच का विस्तार करने के लिए भी कहा है।

इस सप्ताह के अंत तक चुनी जाने वाली नई टीम को चीन से कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। डब्लूएसजे की रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूएचओ की मूल टीम को भंग कर दिया गया है। चीनी सरकार ने यह स्पष्ट करने से इनकार कर दिया है कि क्या वह देश में एक नई टीम को अनुमति देगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन ने पिछली जांच में पूरा सहयोग किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि देश डब्ल्यूएचओ की नई टीम के चयन की बारीकी से निगरानी करेगा।

इटली के विदेश मंत्री बोले तालिबान को समझना असंभव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। तालिबान ने भले ही आफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया हो, लेकिन अभी तक उसे अन्य देशों से मान्यता मिलती दिखाई नहीं दे रही है। अब इटली की तरफ से कहा गया है कि उसके लिए इस सरकार को मान्यता देना असंभव होगा। इटली की इस घोषणा के बाद बाद तालिबान अलग–थलग पड़ रहा है।

हालांकि, कई देश तालिबान सरकार को मान्यता देने के लिए अपना समर्थन दे चुका हैं। इटली के विदेश मंत्री ने कहा कि कम से कम 17 आतंकियों को तालिबान प्रशासन ने मंत्री बनाया है। ऐसे में इटली, तालिबान को समझने में असमर्थ है।

तालिबान के नए कार्यवाहक कैबिनेट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इटली के विदेश मंत्री लुइगी डि माओ ने कहा कि तालिबान के कम से कम 17 कार्यवाहक मंत्री बनाए गए हैं, जो कि आतंकवादी हैं। ऐसे में तालिबान सरकार को पहचानना सचमुच असंभव है। बता दें कि तालिबान द्वारा अफगानिस्तान कब्जे के बाद लगभग 45 दिन हो चुके हैं, लेकिन दुनिया के किसी भी देश ने अभी तक इसे मान्यता नहीं दी है। इटली के विदेश मंत्री ने कहा कि तालिबान पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप है। ऐसे में उसे मान्यता नहीं दी जाएगी।

पाकिस्तान में मोहम्मद अली जिन्ना की मूर्ति को बम से उड़ाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ग्वादर। इमरान खान सरकार को लगातार जख्म दे रहे बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की मूर्ति को उड़ा दिया है। बताया जा रहा है कि यह हमला पाकिस्तान के ग्वादर शहर में हुआ है जहां चीन चाइना–पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर के तहत अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन फ्रंट ने इस बम हमले की जिम्मेदारी ली है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जिन्ना की इस मूर्ति को इस साल के शुरू में मरीन ड्राइव इलाके में लगाया गया था जिसे सुरक्षित इलाका माना जाता है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुछ विद्रोहियों ने मूर्ति के नीचे बम लगा दिया था और बाद में उसे उड़ा दिया। बम इतना शक्तिशाली था कि जिन्ना की मूर्ति पूरी तरह से नष्ट हो गई। बम किस तरह का था, अभी इसका पता नहीं चल सका है।

पूर्व अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी का फेसबुक पेज हैक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी का फेसबुक पेज हैक हो गया है। खुद अशरफ गनी ने ट्वीट करके अपने फेसबुक पेज के हैक किए जाने की सूचना दी। उन्होंने कहा कि हैक होने के बाद फेसबुक पर लिखी हर पोस्ट को वह खारिज करते हैं। उधर, हैकरों ने पोस्ट लिखकर कहा है कि दुनियाभर के देश अफगानिस्तान की तालिबान की सरकार को मान्यता दें।

अशरफ गनी ने ट्वीट करके कहा कि मेरे ऑधिकारिक फेसबुक पेज को कल से हैक कर लिया गया है। जब तक यह पेज दोबारा

हैकर बोले–तालिबान को मान्यता दे दुनिया

मेरे नियंत्रण में नहीं आ जाता है, उस पर लिखी गई कोई भी पोस्ट वैधानिक नहीं है। अज्ञात हैकरों ने अशरफ गनी के फेसबुक प्रोफाइल पेज से पोस्ट लिखकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मांग की है कि वे तालिबान सरकार को मान्यता दें। अशरफ गनी तालिबान के काबुल पर कब्जे से ठीक पहले यूएई फरार हो गए थे।

सरकारी खजाने से 12 अरब रुपये लेकर फरार होने का आरोपः अशरफ गनी पर अफगानिस्तान के सरकारी खजाने से 12 अरब रुपये लेकर फरार होने का आरोप लगा था। इसके बाद अशरफ गनी ने इन आरोपों पर सफाई दी थी और कहा कि काबुल को तालिबान ने घेर लिया था और वह रक्तपात को रोकने के लिए देश छोड़कर गए। अशरफ गनी ने कहा था कि उन्हें काबुल को इतना जल्दी छोड़ना पड़ा कि वह अपने सैंडल को उतारकर जूते तक नहीं पहन सके।

अशरफ गनी ने कहा, मैंने केवल एक वेस्टकोट और कुछ कपड़े लेकर गया। मेरी चारित्रिक हत्या करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और कहा जा रहा है कि मैं पैसा लेकर भागा हूं। ये आरोप बेबुनियाद हैं। आप कस्टम विभाग के अधिकारियों से भी पूछ सकते हो। वे आधारहीन हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने सैंडल उतारकर उनकी जगह पर जूते भी नहीं पहन सका।

16 साल बाद सत्ता से बाहर होंगी चांसलर एंजेला मर्केल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जर्मनी में आम चुनाव पर भारत समेत दुनिया की नजरें टिकी है। इस बार जर्मनी में हो रहे चुनाव बेहद खास है। यह चुनाव इसलिए भी अहम है क्योंकि 16 वर्षों तक जर्मनी की सत्ता में रहीं चांसलर एंजेला मर्केल की विदाई हो रही है। एंजेला ने साफ कर दिया है कि वह इस बार चांसलर की दौड़ से बाहर हैं। चांसलर का नाम आते ही आप दुविधा में होंगे कि आखिर जर्मनी में किस तरह की शासन व्यवस्था है ? जर्मनी में क्या अन्य देशों की तरह राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री का पद नहीं होता है ? आज हम आपको जर्मनी चुनाव की बारीकियों के साथ चांसलर के बारे में बताएंगे। भारत की तरह जर्मनी भी एक लोकतांत्रिक देश है। यानी जर्मनी में निर्वाचित सरकार की हुकूमत होती है। भारत की तरह वहां भी संसदीय व्यवस्था है। हालांकि, वहां की संसदीय व्यवस्था भारत से भिन्न है। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया भी भारत से अलग है। भारत में जिस तरह सत्ता का केंद्र बिंदु प्रधानमंत्री का पद होता है, उसी तरह जर्मनी में सत्ता की चाबी चांसलर के पास होती है।